

ज चुनिए

साथ जा रहा बेटा
बाकर गिर पड़ा।
गोर से चिल्लाया,
से भी आवाज
जिसे सुनकर
जिज्ञासावरा वह
न हो?' उसे यही
'तुम कौन हो?'
की तरफ देखा
यह क्या हो रहा
बेटा, ध्यान देना'
तुम अच्छे हो।'
तुम अच्छे हो।'
'तुम लाजवाब
वद वापस आए।
टा सम्झ नहीं
झाया, 'लोग इसे
नेकिन सच्चाई में
वोवन आपको वही
नाप उसे देते हैं।
कामों की परछाईं
ज्यादा प्रेम, दया,
हाते हैं तो आपको
ने भी देना होगा।
इं संयोग नहीं है,
कर्मों का प्रतिबिंब
गूज चुनिए।

र्म : सिटी भास्कर
जुड़ सकते हैं। अगर
वेंट की जानकारी है
जो पूरे शहर के काम
विलक की है शहर
गोर, तो आप यह सब
39978602 पर या
bcorp.in पर हमें

इंग्लैंड में गांधी जी जब आईने के सामने बाल संवारते थे, गीता के श्लोक याद कर लेते थे, ऐसा था उनका प्रबंधन

डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने गांधीकथा सुनाई, बापू के चित्र दिखाए और मधुर गीत प्रस्तुत किए

जानिए गांधी को

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

यह गांधी कथा थी, किसी सरल रेखा में नहीं बल्कि चारों तरफ से खुलती हुई कथा। जैसे वेदों में कहा गया है कि उदात्त विचार चारों दिशाओं से आने दो, इस खुली और खिलती कथा में महात्मा गांधी के उदात्त विचार कहानी की चारों दिशाओं से आ रहे थे। इस कार्यक्रम में मंच सजा से लेकर प्रस्तुकर्ताओं की वेशभूषा और कहने के अंदाज में एक ऐसी सादागी और गरिमा थी जो गांधी कथा के लिए उपयुक्त थी। यह गांधीकथा जाल सभागृह में बहुत सरल और मर्मस्पर्शी गीतों, गांधी के जीवन प्रसंगों और विचारों को चित्रों के साथ इस तरह से कही गई कि श्रोता गांधीकथा के मर्म को सम्झ सकें और अपने जीवन में उतारकर बेहतर बदलाव कर सकें। इसे नई दिल्ली की विचारक डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने सुनाई। शास्त्रीय संगीत महाविद्यालय के सहयोग से मंत्र संस्कृति विभाग की इस कथा में प्रसंग से जुड़े भावों व्यक्त करते गीतों को स्वाति भगत और दीपक कालरा ने प्रस्तुत किया।

डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने कहा कि गांधी ने चार सामूहिक कर्म के जरिए आमूलचूल बदलाव लाए। और यह इसलिए संभव हुआ कि उनके व्यक्तित्व में चुंबकीय शक्ति थी क्योंकि उनके कर्म और विचारों में कोई खाई नहीं थी। उन्होंने चार सामूहिक कर्म, पहला सामूहिक प्रार्थना, सामूहिक सफाई, सामूहिक भोजन और सामूहिक कताई के जरिए अमूल्य मंत्र दिए।



1. सामूहिक प्रार्थना

महात्मा गांधी सावरमती आश्रम में सर्वभ्रम प्रार्थना करते थे। उनका मानना था कि सारे भ्रम एक ही ओर इशारा करते हैं कि जो हमें सत्य, अहिंसा और मानवीय सेवा की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के व्यक्ति को व्यक्ति की तरह देखा और संवाद में विश्वास किया क्योंकि संवाद के जरिए ही सारी समस्याएं सुलझाई जा सकती हैं।

2. सामूहिक सफाई

गांधी आश्रम में 45 मिनट सामूहिक सफाई करवाते थे। इसमें सभी लोग गैती, फावड़ा, टोकरी और झाड़ू लेकर पूरे परिसर की ओर यहां तक की संडाम की सफाई करते थे। बहुत पहले उन्होंने स्वच्छता का संदेश दे दिया था। मैं इंदौर के लोगों को बधाई देती हूँ कि उन्होंने स्वच्छता के लिए श्रेष्ठ काम किया। दिल्ली वालों को इंदौर की स्वच्छता से सीखना चाहिए।

3. सामूहिक भोजन

आश्रम में बापू ने सामूहिक भोजन की व्यवस्था की। एक ही स्कोई में भोजन बनता और सब एक साथ भोजन करते। यहां कदू बहुत होते थे और हम सेवाग्राम को कदूग्राम करते थे। सबला हुए कदू की सब्जी खाते थे। इसके जरिए बापू ने जवान पर नियंत्रण का मंत्र दिया।

4. सामूहिक कताई

महात्मा गांधी ने सामूहिक कताई को सूत यज्ञ कहा है। यानी जितना पहनना है उतना कातो, उतना कातो जितना पहनना है। यानी इसके पीछे उनकी आत्मनिर्भरता का विचार था। उनके इस विचार को हमें आज के समय में ज्यादा बेहतर ढंग से समझना है।

डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने कहा कि गांधी ने मौन, उपवास, चरखे के जरिए राजनीति को आध्यात्मिकता से जोड़ा और सत्य-अहिंसा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया और अभय का मंत्र दिया। जब इसके बाद स्वाति और दीपक ने गीत गाए। कुछ गीतों के बोल थे आंख पवित्र रख, सत्य ही तू बोल, ईश्वर साक्षात् अंतर टटोल, हम मिला वचन कभी ना बोलें, हम चाणी में विष ना घोलें, एकवार मिलकर जुलम ना करें कबूल। इसके बाद उन्होंने कहा कि जब गांधी इंग्लैंड गए तो आईने के सामने खड़े होकर दस मिनट तक अपने बाल संवारते थे लेकिन इस 10 मिनट का सुदुपयोग करते हुए वे गीता के श्लोक याद लिया करते थे। उनका समय प्रबंधन अचूक था। उन्होंने अपने नियमित और सादे जीवन से वेलनेस का मंत्र दिया। आज के वेलनेस गुरु तो आपसे मोटी रकम वसूलते हैं गांधी तो फ्री ऑफ कास्ट आपको बेहतर और सेहतमंद जीवन का मंत्र देते हैं।

इंदौर में होलकर महाराजा ने गांधी जी को 10 हजार रुपए दान दिए थे

डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने कहा कि जब 1918 में गांधी इंदौर आए थे तो होलकर महाराजा ने उन्हें 10 हजार रुपए दान दिए थे जिसका सुदुपयोग उन्होंने दक्षिण में नागरी प्राचरिणी सभा के जरिए हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए किया था। इंदौर आने पर उनके लिए चार वधिधियों का इंतजाम किया था लेकिन उन्होंने इस पर बैठने से इन्कार कर दिया था।

शोकेस
इंटीरियर
फर्निशिंग

लाभगंगा
यह चार

सिटी रिपोर्टर
डिजाइनर्स का
जानेवाली इस
सिक्वोरिटी के ए
हैं जो मेट्रो में भी
जनवरी से शुरू
लाभगंगा क
एग्जिक्शियन में ह
मेटोरियल और
100 स्टॉल्स र
में पहली बार
लिए इडियन
स्टॉल लगाएगा
चारसी स्वच्छ इ
नाइट में आदि
होगा। 31 जन
'स्पॉल लिविंग
कॉम्पिटिशन हो
घंटे के अंदर अ
आईआईआईडी
नुककड़ नाटक
नेल आर्टिस्ट व
भी कंडक्ट करेंगे

ये होंगे

- शोकेस में 1
- चार ट्राइवल्
- आर्ट, क्लैक
- चर्कशॉप भी ले
- 1 फरवरी को
- विटेंज कार

सिंगर जावेद अली का कॉन्सर्ट 'ऑन व्हील्स' कल

एग्जाम से पहले राइटर्स क्रेम्प से बचिए,